

न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, चित्तौड़गढ़

पीठासीन अधिकारी- रतन कुमार (आर.ए.एस.)

प्रकरण संख्या 013/2018 (GCMS 2018/00211)	दायर दिनांक 22.01.2018	निर्णय दिनांक 03.03.2021
--	---------------------------	-----------------------------

अनवान

सरकार जरिये खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिकारी, चित्तौड़गढ़ जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)

प्रार्थी**बनाम**

1. कमल नयन आगाल पुत्र रतनलाल (विक्रेता/मालिक) मैसर्स आर.एस. ट्रेडिंग कम्पनी, आईसीआईसीआई बैंक के सामने, न्यू क्लॉथ मार्केट, चित्तौड़गढ़ निवासी उपरलापाड़ा, भड़तिया हवेली के पास, चित्तौड़गढ़ (राज.)
2. अनिल कुमार मानसिंहका पुत्र कैलाशचन्द्र मानसिंहका (निदेशक निर्माता फर्म)
फर्म- Esspal Infrastructure & Development Pvt. Ltd.
(Sharda Buziness Center) Near 200 Fit Ring Road, Pansal, Bhilwara-311001 (Raj)
निवासी लक्ष्मी भवन स्टेशन रोड़,
भीलवाड़ा (राज.) 311001
3. मनिष कुमार गिरधारी लाल लाठी पुत्र गिरधारी लाल नाहरमल लाठी (निदेशक निर्माता फर्म)
फर्म- Esspal Infrastructure & Development Pvt. Ltd.
(Sharda Buziness Center) Near 200 Fit Ring Road, Pansal, Bhilwara-311001 (Raj)
निवासी बी -159 शास्त्री नगर, भीलवाड़ा (राज.)
4. आस्था मानसिंहका (निदेशक निर्माता फर्म)
फर्म- Esspal Infrastructure & Development Pvt. Ltd.
(Sharda Buziness Center) Near 200 Fit Ring Road, Pansal, Bhilwara-311001 (Raj)
निवासी - लक्ष्मी भवन, बाजार नं.3, स्टेशन रोड़,
भीलवाड़ा (राज.) -311001
5. फर्म- Esspal Infrastructure & Development Pvt. Ltd. (Sharda Buziness Center) (निर्माता फर्म)
Near 200 Fit Ring Road, Pansal, Bhilwara-311001 (Raj)

अप्रार्थीगण

**-:: जुर्म अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2(ii) एफएसएस एक्ट
2006 नियम 2011 ::-**

-:: निर्णय ::-

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र सिंह राणावत ने परिवाद अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2(ii) के तहत विरुद्ध अप्रार्थीगण के प्रस्तुत कर निवेदन किया कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 20.02.2017 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कार्य संपादन कर रहे थे, और इन्हें राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना क्रमांक **FH/PFA/Notification/2011/440 Dated 25-07-2011** के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी पद पर नियुक्त किया गया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं निदेशक (जन. स्वा.) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान, जयपुर के आदेश क्रमांक/एफएसएसए/2016/465 दिनांक 03.05.2016 के अनुसार इनका कार्य क्षेत्र जिला चित्तौड़गढ़ आवंटित किया गया था और जिला चित्तौड़गढ़ के अंतर्गत आने वाले समस्त स्थानीय क्षेत्र इनके कार्य क्षेत्र में आते हैं। गजट नोटिफिकेशन, अधिसूचना एवं आदेश की सत्यापित छाया प्रतियाँ न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 20.02.2017 को समय 04.10 पी.एम. पर मैसर्स आर.एस. ट्रेडिंग कम्पनी आईसीआईसीआई बैंक के सामने, चित्तौड़गढ़ (राज.) पर पहुँचे। वहाँ पर कमल नयन आगाल पुत्र रतनलाल (विक्रेता/मालिक) उक्त फर्म में विक्रेता/मालिक की हैसियत से खाद्य पदार्थ मैदा (GBi BiG) व अन्य किराणा सामान आदि आम जनता को विक्रय कर रहे थे एवं विक्रय हेतु अपने कब्जे में रखे हुए थे। मौके पर विक्रेता द्वारा खाद्य लाईसेन्स मांगने पर प्रस्तुत किया। मौके पर गवाहान भरत शर्मा व महेन्द्र सिंह की उपस्थिति में आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने अपना परिचय पत्र विक्रेता को दिखाकर परिचय दिया एवं विक्रेता से परिचय लिया तत्पश्चात् विक्रेता व गवाहान की उपस्थिति में उक्त फर्म का निरीक्षण करने पर पाया कि उक्त फर्म पर कुल 500-500 ग्राम के कुल 15 सील्ड पॉली पेक खुले कट्टे में विक्रय हेतु रखे पाये गये। उक्त में से 1 सील्ड पॉली पेक मैदा (GBi BiG) को ध्यान से देखने पर उस पर मैदा (GBi BiG) Lot No. Var, नेट वेट- 500 ग्राम, एमआरपी- 20/-, Date of Pkg. - फरवरी 2017, best before NIL, Pkd. By- ESSPAL Infrastructure & Development Pvt. Ltd. Sharda Business Center Main Market Station Road Bhilwara - 311001 (Raj.) आदि अंकित पाया गया। विक्रेता के पास उक्त मैदा (GBi BiG) का खरीद बिल होना पाया गया था जो कि संलग्न है। मिलावट की शंका होने पर उक्त खाद्य पदार्थ का नमूना एफएसएसए एक्ट 2006 के तहत जाँच हेतु लेने के लिए विक्रेता को अवगत कराया गया तत्पश्चात् नमूना वास्ते जाँच हेतु लेने की सूचना फार्म नम्बर V A



की प्रति गवाहन की उपस्थिति में तैयार कर विक्रेता को देकर प्राप्ति रसीद ली, जो की न्याय निर्णयन आवेदन के साथ मूल प्रति संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा उक्त खाद्य पदार्थ के 4 सील्ड पॉली पेक 10-100 ग्राम के वास्ते नमूना जाँच हेतु खरीदा, जिसकी कीमत विक्रेता को रुपये 60/- नगद देकर रसीद प्राप्त की जिस पर विक्रेता तथा मौके पर उपस्थित गवाहान के हस्ताक्षर करवाये एवं तस्दीक कर स्वयं प्रायक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने हस्ताक्षर किये, जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ मूल प्रति संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने उक्त खरीदशुदा खाद्य पदार्थ को चार बराबर-बराबर भागों में (प्रत्येक भाग में 1 सील्ड पोलिपेक) बाँट कर अलग-अलग रखा। उक्त नमूना भागों हेतु 04 लेबल तैयार कर प्रत्येक नमूना भाग पर लेबल चिपकाये लेबल पर खाद्य पदार्थ का नाम, स्थान व दिनांक आदि अंकित कर आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने, गवाहान व व्यापारी ने हस्ताक्षर किये थे। चारों नमूना भागों को अलग-अलग खाकी कागजों में लपेट कर प्रत्येक भाग पर अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप संख्या AM-775 नियमानुसार प्रत्येक नमूना भाग पर ऊपर सीरे से लेकर नीचे पेदे तक व वापस सीरे तक लगातार गोलाई में गोन्द से चिपकाई एवं धागे से बांध कर नियमानुसार सील चपड़ी किया। एक सील नमूना भाग के सीरे पर एक पेदे पर एवं दाईं और एवं एक बाईं और लगाई। प्रत्येक नमूना भाग पर मालिक के हस्ताक्षर नियमानुसार इस प्रकार करवाये कि पेपर स्लिप व रेपर दोनों पर आवें एवं सीलबन्द नमूनों पर गवाहान को हस्ताक्षर कराकर नमूने का पूर्ण विवरण लिखकर आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर कर चारों नमूना भागों को अपने कब्जे में लिया। विक्रेता को उक्त नमूने के एक भाग (चौथा भाग) को एकीएटेड लैब में जाँच कराने की जानकारी मौके पर ही आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा दे दी गई थी। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मौके पर फर्द रिपोर्ट तैयार कर मालिक एवं गवाहान का पढ़कर सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा जिसे विक्रेता एवं मौके पर उपस्थित गवाहान ने भी पढ़कर, समझकर व सही मानकर हस्ताक्षर किये। जिस सील से नमूना सील चपड़ी किया गया, उसका मोनोग्राम मौके पर ही मौका पंचनामा पर अंकित किया गया। फर्द रिपोर्ट न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने कार्यालय पहुँच कर फार्म नं. 6 की प्रतियाँ तैयार की और प्रत्येक पर वह नमूना सील अंकित की, जिससे नमूना सील किया। एक नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की प्रति के आउटर कवर में सीलबन्द कर सील मोहर कर एवं दो प्रति फार्म नं. 6 की अलग से सील्ड लिफाफे में पत्रवाहक के साथ खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर को जमा करवाने हेतु भिजवाया। एक नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की प्रति एवं एक प्रति फार्म नं. 6 की अलग से सील्ड लिफाफे में जमा की खाद्य विश्लेषक, उदयपुर से अलग अलग



रसीद प्राप्त की गई जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। दो सील बन्द नमूना भाग मय फार्म नं. 6 की दो प्रतियों के आउटर कवर में सील बन्द कर तथा नमूने का चौथा भाग अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्र क्रमांक एफएसएसए/2017/1181 दिनांक 23.03.2017 द्वारा ज्ञात हुआ कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा लिया गया उक्त खाद्य पदार्थ का नमूना वास्ते जाँच क्रय किया गया था जो कि मिसब्रान्डेड होना पाया गया था। जाँच रिपोर्ट न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रतियां संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण के समस्त दस्तावेज पत्रांक 1181 दिनांक 23.03.2017 की पालना में अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को जमा कराये गये जिस पर कार्यालय के पत्र क्रमांक एफएसएसए/2017/233 दिनांक 11.01.2018 के द्वारा आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को उक्त केस में न्याय निर्णयन आवेदन फाईल करने हेतु प्राधिकृत किया है, जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। उक्त प्रकरण में उक्त अभियुक्तगणों ने मिसब्रान्डेड मैदा (GBi BiG) का विक्रय करके खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2000 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा 2 (II) का उल्लंघन किया है जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 52 में निर्धारित है। अन्त में आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रार्थना की गई कि उपरोक्त आवेदन न्याय निर्णयन आवेदन श्रीमान को प्रस्तुत कर दिया गया है जिसे स्वीकार निवेदन है कि उक्त अभियुक्तगणों पर अधिकतम जुर्माना लगाया जाए ताकि आम जनता को सुरक्षित खाद्य उपलब्ध कराया जा सके।

इस पर आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ द्वारा प्रस्तुत परिवाद को दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को जरिये नोटिस के तलब किया गया। इस पर दिनांक 11.07.2019 को अप्रार्थीगण के बावजूद सूचना के हाजिर नहीं आने से इनके विरुद्ध कार्यवाही एक तरफा अमल में लाई गई। दिनांक 12.03.2020 को अप्रार्थीगण की ओर से इकबालिया जवाब परिवाद पेश किया गया जो कि शामिल पत्रावली है। अपने जवाब परिवाद में अप्रार्थीगण ने बताया कि आवेदन के संबंध में निर्माता फर्म के निदेशक द्वारा आपके समक्ष निम्न जवाब पेश है, कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी चित्तौड़गढ़ द्वारा दिनांक 20.02.2017 को चित्तौड़गढ़ स्थित आर.एस. ट्रेडिंग कम्पनी पर निरीक्षण कर सील्ड पोलीपेक मैदा मिलावट होने की शंका के आधार पर उक्त खाद्य पदार्थ का नमूना एफ.एस.एस.ए. एक्ट 2006 के तहत जांच हेतु विक्रेता की



दुकान से खरीदा गया। तत्पश्चात् खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा लिये गये दुकान से 4 सील्ड पक नमुने को अलग अलग लेबल में तैयार कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षर शुदा पेपर रिलिफ संख्या AM-775 नियमानुसार प्रत्येक नमुने पर चिपकाकर जांच हेतु अलग अलग लेब में भिजवाया गया। कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी को अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी चित्तौड़गढ़ के क्रमांक एफएसएसए/2017/1181 दिनांक 23.03.2017 द्वारा ज्ञात हुआ कि उक्त खाद्य पदार्थ का नमुना जांच के आधार पर मिसब्राण्डेड होना पाया गया। उपरोक्त प्रकरण में खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ के पत्र क्रमांक एफ.एस.एस.ए./2017/233 दिनांक 11.01.2018 के द्वारा खाद्य सुरक्षा के अधिकारी को उक्त प्रकरण में न्याय निर्णय हेतु संपूर्ण पत्रावली आप श्रीमान् के सम्मुख प्रस्तुत करने हेतु लिखा गया। उक्त प्रकरण में हमारी निर्माता कम्पनी द्वारा मिसब्राण्डेड मैदा (GBi BiG) का विक्रय करके खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा की उपधारा 2 (II) का उल्लंघन में द्वारा हुआ है। जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 52 में निर्धारित है। अतः श्रीमान् महोदय से निवेदन है कि फर्म की छोटी सी गलती को स्वीकार करते हुए आप द्वारा उक्त वाद में न्यूनतम जुर्माना राशि लगाकर उक्त प्रकरण को अपास्त कराने का आदेश फरमावे। तथा भविष्य में हमारी फर्म द्वारा किसी भी प्रकार की खाद्य पदार्थ के बारे में कोई भी शिकायत का मौका प्राप्त नहीं होगा। जवाब परिवाद शामिल पत्रावली है।

दिनांक 03.03.2021 को पत्रावली पेश हुई। हमने पत्रावली का बागौर अवलोकन किया। अप्रार्थीगण के विरुद्ध दिनांक 11.07.2019 को कार्यवाही एक तरफा अमल में लाई जा चुकी है एवं अप्रार्थी फर्म द्वारा दिनांक 12.03.2020 को जवाब परिवाद पेश किया गया जो कि शामिल पत्रावली है। न्याय हित में जवाब परिवाद को रिकार्ड पर लिया जाता है। आज अप्रार्थीगण की ओर से कोई हाजिर नहीं। हमने पत्रावली को बागौर आद्यौपांत अवलोकन किया। तथ्यों का मनन किया। पत्रावली को वास्ते निर्णय रिजर्व किया गया।

पत्रावली वास्ते निर्णय पेश हुई। हमने पत्रावली का बागौर आद्यौपांत अवलोकन किया। पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात का गहनता पूर्वक अध्ययन/परिशीलन किया। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत फार्म नंबर 5 ए की प्रति से जाहिर होता है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विक्रेता/मालिक को खाद्य पदार्थ मैदा (GBi BiG) का नमूना वास्ते जांच लेने हेतु सूचना दी गई जिस पर विपक्षी संख्या 1 एवं मौके के गवाहान के हस्ताक्षर है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा नमूना लिये जाने हेतु विक्रेता/मालिक से नियमानुसार खाद्य पदार्थ क्रय किया गया जिसकी पुष्टि नमूना खरीद बिल से होती है, उस पर भी विक्रेता एवं गवाहान की शहादत के रूप



में हस्ताक्षर है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा तैयार किया गया मौका फर्द रिपोर्ट दिनांक 20.02.2017 का अवलोकन किया। मौका फर्द रिपोर्ट दिनांक 20.02.2017 से जाहिर होता है कि उक्त खाद्य पदार्थ मैदा (GBi BiG) जिसका नमूना खरीद बिल पत्रावली पर उपलब्ध है से क्रय किया एवं उस पर अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप संख्या AM-775 नियमानुसार प्रत्येक नमूना भाग पर ऊपर सीरे से लेकर नीचे पेंदे तक व वापस सीरे तक लगातार गोलाई में गोन्द से चिपकाई एवं धागे से बांध कर नियमानुसार ब्रास सील संख्या 62 से सील चपडी किया। इस से स्पष्ट होता है कि खाद्य पदार्थ को नियमानुसार सील किया गया है। हमने खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा तैयार फार्म नंबर 6 की प्रति का अवलोकन किया। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्रांक/एफएसएसए/2017/695 दिनांक 20.02.2017 से पत्रवाहक रवि कुमार (सहायक कर्मचारी) के साथ आउटर कवर में सील बंद नमूने फार्म नंबर 6 एवं सील्ड लिफाफे खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर को नमूना क्रमांक AM-775 मय लिफाफे के जमा कराये जाने हेतु भिजवाया गया। हमने खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला उदयपुर की रसीद को अवलोकन किया जिससे से जाहिर होता है कि पत्रवाहक रवि कुमार (सहायक कर्मचारी) द्वारा उक्त नमूना मय लिफाफे के दिनांक 21.02.2017 को जमा कराया गया। हमने आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत नियम 2.4.1(10)(ii) एवं 2.4.1(10)(iii) के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की रसीद का अवलोकन किया जिस से जाहिर होता है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विपक्षी संख्या 1 से लिये गये शेष 3 नमूनों एवं फार्म संख्या 6 की प्रतियों को नियमानुसार अभिहित अधिकारी को जमा कराये गये। विपक्षी संख्या 1 द्वारा खाद्य पदार्थ मैदा (GBi BiG) का बिल संख्या 125 दिनांक 20.02.2017 तादादी रूपये 60/- का जो कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को आर, एस, ट्रेडिंग कम्पनी द्वारा जारी किया गया जो कि शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। विपक्षी संख्या 5 फर्म Esspal Infrastructure & Development Pvt. Ltd. (Sharda Business Center) Near 200 Fit Ring Road, Pansal, Bhilwara-311001 (Raj) द्वारा R.S. TRADING COMPANY, ICICIBANK KE SAMNECHITTOR, BUNDI ROAD को जारी VAT INVOICE संख्या ANN- 03713 Dated February 9, 2017 से जाहिर होता है कि उक्त खाद्य पदार्थ निर्माता फर्म द्वारा विक्रेता फर्म को विक्रय किया गया। उक्त बिल की प्रति शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ द्वारा पत्रांक/एफएसएसए/2017/703 दिनांक 21.02.2017 से विपक्षी संख्या 5 निर्माता फर्म को बिल संख्या 03713 एवं फार्म 5 ए की प्रति प्रेषित की गई, उक्त पत्र शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ द्वारा पत्रांक/एफएसएसए/2017/1749 दिनांक



03.05.2017 एवं पत्रांक/एफएसएसए/2017/3121 दिनांक 18.07.2017 से विपक्षी संख्या 5 निर्माता फर्म से फर्म के संविधान के संबंध में सूचना चाही गई। इस पर विपक्षी संख्या 5 निर्माता फर्म से दिनांक 24.07.2017 को वांछित सूचना प्रस्तुत की गई, उक्त समस्त दस्तावेज शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ द्वारा पत्रांक/एफएसएसए/2017/1181 दिनांक 23.03.2017 से विक्रेता फर्म एवं निर्माता फर्म को खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर से प्राप्त रिपोर्ट संख्या LS 48/Act/2017/65 Dated 01-03-2017 की प्रति जरिये रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित की गई है, उक्त पत्र रिकार्ड पर है। हमने खाद्य विश्लेषक, उदयपुर की रिपोर्ट LS 48/Act/2017/65 Dated 01-03-2017 का गहनता पूर्वक अवलोकन किया। खाद्य विश्लेषक, उदयपुर रिपोर्ट एवं मतानुसार अनुसार :-

Report No LS 48/Act/2017/65 Dated 01-03-2017

Certified that I PANKAJ KUMAR duly appointed as under the provisions of Food Safety and Standards Act, 2006 (34 of 2006) for RAJASTHAN STATE received from Sh. Devendra Singh Ranawat Food Safety Officer District Chittorgarh, a sample of Maida (GBI BIG brand) bearing code no. and serial no. AM- 775 of Designated officer (Food Safety) Cum C.M.&H.O, of District Chittorgarh on 21.02.2017 for analysis.

The condition of seals on the container and the outer covering on receipt was as follows Brass Seal No. 62 Intact and unbroken. The seals fixed on the container and outer cover tallied with the specimen seal impression sent separately, along with the copy of the memorandum, in sealed envelope.

I found the sample to be cereals and cereal products falling under Regulation No. 2.4.2.1 Maida of Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011. The sample was in a condition fit for analysis and has been analyzed on 28.02.2017 to 01.03.2017 and the rest result of its analysis is given below-

ANALYSIS REPORT --

(i) Sample description:- The sample contained in a sealed plastic box having original company poly pack of 500gm, PRINTED ON PROPRIETARY FOOD (Misleading) Contravention to Regulation 2.3.1(5) of Food Safety & Standards (Packaging and Labelling) Regulations 2011.

(ii) Physical appearance:- fine powder.

(iii) Label :- Brand- GBI BIG brand, Name of food- Maida, Pkd. by- ESSPAL Infrastructure & Development Pvt. Ltd. Sharda Business Center Main Market Station Road, Bhilwara- 311001 (Raj.) Pkd. on.- Feb.2017, Batch No.- Var, Best before - Absent, Contravention to Regulation 2.2.2(10) of Food Safety & Standards (Packaging and Labelling) Regulations 2011. Green symbol of veg.- Present. Bar code-8907637000040, Fssai lic. no.- 22215055000492,

Opinion:- The sample Maida (GBI BIG brand) Bearing code no. and serial no. AM- 775 of Designated officer (Food Safety) Cum C.M.&H.O of District Chittorgarh The sample is



misbranded food. As violation of regulation no. 2.2.2(10) & 2.3.1(5) of Food Safety and Standards (Packaging & Labelling) Regulations 2011. The sample is misbranded under section 3(1)(zf)(C(i)) of the Food Safety & Standards Act 2006.

खाद्य विश्लेषक, उदयपुर की रिपोर्ट से जाहिर होता है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र सिंह राणावत द्वारा लिया खाद्य पदार्थ का नमूना जो कि ब्रास सील संख्या 62 से सील्ड अवस्था में खाद्य विश्लेषक का प्राप्त हुआ। उक्त नमूना दिनांक 28.02.2017 से 01.03.2017 तक जांच के लिये उपयुक्त था। उक्त नमूने के संबंध में खाद्य विश्लेषक द्वारा अपनी रिपोर्ट में अवगत कराया गया है कि cereals and cereal products falling under Regulation No. 2.4.2.1 Maida of Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011. है, एवं उक्त नमूना जिस पर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप संख्या AM-775 मैदा (GBi BiG) खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 3(1)(zf)(C)(i) के तहत मिस ब्राण्ड स्तर का पाया गया है। जिसकी पुष्टि स्वरूप खाद्य विश्लेषक द्वारा रिपोर्ट प्रेषित की गई है जो कि रिकार्ड पर है। हमने अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के रजिस्टर्ड पत्रांक/एफएसएसए/2017/1181 दिनांक 23.03.2017 का अवलोकन किया, जिसमें अभिहित अधिकारी द्वारा अप्रार्थी को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 नियम 2011 की धारा 46(4) के तहत खाद्य विश्लेषक, उदयपुर से प्राप्त रिपोर्ट की प्रति प्रेषित की एवं रेफरल खाद्य प्रयोगशाला से जांच कराये जाने के संबंध में अवगत कराया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ द्वारा पत्रांक/एफएसएसए/2018/233 दिनांक 11.01.2018 द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 नियम 2011 की धारा 36 की उपधारा 3(e) के तहत अभियोजन आवेदन प्रस्तुत किये जाने की अभियोजन स्वीकृति आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को दी जाकर अधिकृत किया गया है। उक्त समस्त दस्तावेज शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। जहां तक विपक्षी द्वारा अपने जवाब परिवाद में उठाये गये तथ्यों का संबंध में आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा अपने परिवाद के समस्त तथ्यों ठोस दस्तावेजी साक्ष्य से साबित कराया गया है, एवं हम आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा किये गये अनुसंधान से पूर्ण रूप से संतुष्ट है, ऐसी स्थिति में हमारा अभिमत है कि पत्रावली में किसी भी प्रकार अतिरिक्त साक्ष्य एवं शहादत की आवश्यकता नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 25 में खाद्य पदार्थों के आयात एवं धारा 26 में खाद्य कारोबारकर्ता के दायित्वों का उल्लेख किया गया है। इसके अनुसार प्रत्येक खाद्य कारोबारकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि खाद्य वस्तुएं इस अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों कि अपेक्षाओं को अपने नियंत्रणाधीन कारोबार को अंदर उत्पादन, प्रसंस्करण,



आयात, वितरण और विक्रय के सभी प्रक्रमों को पूरा करती है। निर्माता को निर्माण/पैकिंग के समय ही लेबल पर नियमानुसार सभी आवश्यक पूर्तियां करनी चाहिये थी, किन्तु अप्रार्थी का भी यह दायित्व बनता है कि वह आयातित खाद्य पदार्थ के विक्रय हेतु प्रदर्शित करने से पूर्व यह सुनिश्चित करना चाहिये कि उक्त खाद्य पदार्थ पर नियमानुसार पूर्ति है। सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा (2) (ii) का अवलोकन किया अधिनियम की धारा 25 से 27 में निम्न प्रावधान प्रावधित किये गये है :-

25. All imports of articles of food to be subject to this Act.

(1) No person shall import into India –

- (i) any unsafe or misbranded or sub-standard food or food containing extraneous matter;
- (ii) any article of food for the import of which a licence is required under any Act or rules or regulations, except in accordance with the conditions of the licence; and
- (iii) any article of food in contravention of any other provision of this Act or of any rule or regulation made thereunder or any other Act.

(2) The Central Government shall, while prohibiting, restricting or otherwise regulating import of article of food under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992), follow the standards laid down by the Food Authority under the provisions of this Act and the Rules and regulations made thereunder.

26. Responsibilities of the Food business operator.

(1) Every food business operator shall ensure that the articles of food satisfy the requirements of this Act and the rules and regulations made thereunder at all stages of production, processing, import, distribution and sale within the businesses under his control.

(2) No food business operator shall himself or by any person on his behalf manufacture, store, sell or distribute any article of food –

- (i) which is unsafe; or
- (ii) which is misbranded or sub-standard or contains extraneous matter; or
- (iii) for which a licence is required, except in accordance with the conditions of the licence; or
- (iv) which is for the time being prohibited by the Food Authority or the Central Government or the State Government in the interest of public health; or
- (v) in contravention of any other provision of this Act or of any rule or regulation made thereunder.

(3) No food business operator shall employ any person who is suffering from infectious, contagious or loathsome disease.

(4) No food business operator shall sell or offer for sale any article of food to any vendor unless he also gives a guarantee in writing in the form specified by regulations about the nature and quality of such article to the vendor: Provided that a bill, cash memo, or invoice in respect of the sale of any article of food given by a food business operator to the vendor shall be deemed to be a guarantee under this section, even if a guarantee in the specified form is not included in the bill, cash memo or invoice.

(5) Where any food which is unsafe is part of a batch, lot or consignment of food of the same class or description, it shall be presumed that all the food in that batch, lot or consignment is also unsafe, unless following a detailed assessment within a specified time, it is found that there is no evidence that the rest of the batch, lot or consignment is unsafe: Provided that



any conformity of a food with specific provisions applicable to that food shall be without prejudice to the competent authorities taking appropriate measures to impose restrictions on that food being placed on the market or to require its withdrawal from the market for the reasons to be recorded in writing where such authorities suspect that, despite the conformity, the food is unsafe.

27. Liability of the manufacturers, packers, wholesalers, distributors and sellers

- (1) The manufacturer or packer of an article of food shall be liable for such article of food if it does not meet the requirements of this Act and the rules and regulations made thereunder.
- (2) The wholesaler or distributor shall be liable under this Act for any article of food which is—
 - (a) Supplied after the date of its expiry; or
 - (b) Stored or supplied in violation of the safety instructions of the manufacturer; or
 - (c) Unsafe or misbranded; or
 - (d) Unidentifiable of manufacturer from whom the article of food have been received; or
 - (e) Stored or handled or kept in violation of the provisions of this Act, the rules and regulations made thereunder; or
 - (f) received by him with knowledge of being unsafe.
- (2) The seller shall be liable under this Act for any article of food which is –
 - (a) sold after the date of its expiry; or
 - (b) handled or kept in unhygienic conditions; or
 - (c) misbranded; or
 - (d) unidentifiable of the manufacturer or the distributors from whom such articles of food were received; or
 - (e) received by him with knowledge of being unsafe.

अधिनियम के अनुसार खाद्य पदार्थ विक्रेता/निर्माता को उक्तानुसार विधि की पालना किया जाना अपेक्षित है, किन्तु इनके द्वारा इसकी जांच नहीं कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा (2) (ii) का उल्लंघन किया गया है। अतः उक्त प्रावधानों के तहत अप्रार्थीगण को दोष मुक्त नहीं किया जा सकता है। अतः अप्रार्थीगण को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा (2) (ii) का उल्लंघन किये जाने का दोष प्रमाणित माना जाता है ऐसी स्थिति में विपक्षी संख्या 1 जो कि उक्त खाद्य पदार्थ मैदा (GBi BiG) के विक्रेता है, विपक्षी संख्या 2, 3, 4 जो कि खाद्य पदार्थ की निर्माता फर्म विपक्षी संख्या 5 के भागीदार/निदेशक/मालिक है जिससे विपक्षी संख्या 1 श्री कमल नयन आगाल पुत्र रतनलाल (विक्रेता/मालिक) मैसर्स आर.एस. ट्रेडिंग कम्पनी, आईसीआईसीआई बैंक के सामने, न्यू क्लॉथ मार्केट, चित्तौड़गढ़ निवासी उपरलापाड़ा, भड़तिया हवेली के पास, चित्तौड़गढ़ विपक्षी संख्या 2 अनिल कुमार मानसिंहका पुत्र कैलाशचन्द्र मानसिंहका (निदेशक निर्माता फर्म) फर्म- Esspal Infrastructure & Development Pvt. Ltd. (Sharda Business Center) Near 200 Fit Ring Road, Pansal, Bhilwara-311001 (Raj)



निवासी लक्ष्मी भवन स्टेशन रोड़, भीलवाड़ा (राज.) 311001 विपक्षी संख्या 3 मनिष कुमार गिरधारी लाल लाठी पुत्र गिरधारी लाल नाहरमल लाठी (निदेशक निर्माता फर्म) फर्म- Esspal Infrastructure & Development Pvt. Ltd. (Sharda Business Center) Near 200 Fit Ring Road, Pansal, Bhilwara-311001 (Raj) निवासी बी -159 शास्त्री नगर, भीलवाड़ा (राज.) एवं विपक्षी संख्या 4 आस्था मानसिंहका (निदेशक निर्माता फर्म) फर्म- Esspal Infrastructure & Development Pvt. Ltd. (Sharda Business Center) Near 200 Fit Ring Road, Pansal, Bhilwara-311001 (Raj) निवासी - लक्ष्मी भवन, बाजार नं.3, स्टेशन रोड़, भीलवाड़ा (राज.) -311001 को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा (2) (ii) के दोष का दोषी पाया जाकर दोषसिद्धि घोषित की जाती है।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा (2) (ii) के तहत दोष सिद्ध अभिवृत्त को अधिनियम की धारा 52 के अनुसार अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने के प्रावधान है। हमने पत्रावली का आद्यौपांत अवलोकन किया। तथ्यों का मनन किया। अर्थदण्ड के बिन्दु पर चिंतन किया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 के तहत दोष सिद्ध अभिवृत्त को अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने के संबंध में अधिनियम की धारा 49 में वर्णित तथ्यों के आधार पर दण्डित किये जाने के प्रावधान प्रावधित किये गये है। अधिनियम की धारा 49 एवं 52 के अनुसार-

49. General provisions relating to penalty.

While adjudging the quantum of penalty under this Chapter, the Adjudicating Officer or the Tribunal, as the case may be, shall have due regard to the following:-

- The amount of gain or unfair advantage, wherever quantifiable, made as a result of the contravention,
- The Amount of loss caused or likely to cause to any person as a result of the contravention,
- The repetitive nature of the contravention,
- Whether the contravention is without his knowledge, and
- Any other relevant factor,

52. Penalty for misbranded food.

- Any person who whether by himself or by any other person on his behalf manufactures for sale or stores or sells or distributes or imports any article of food for human consumption which is misbranded, shall be liable to a penalty which may extend to three lakh rupees.
- The Adjudicating Officer may issue a direction to the person found guilty of an offence under this section, for taking corrective action to rectify the mistake or such article of food shall be destroyed.



विपक्षी संख्या 1 जो उक्त खाद्य पदार्थ के विक्रेता हैं एवं विपक्षी संख्या 2, 3, 4 खाद्य पदार्थ की निर्माता फर्म के भागीदार/निदेशक/मालिक की दोष सिद्धि घोषित की गई है, जिससे अर्थदण्ड विपक्षी संख्या 1 एवं निर्माता फर्म विपक्षी संख्या 5 को उक्त खाद्य पदार्थ का विक्रय एवं निर्माण करने से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा (2) (ii) में अभियुक्त की दोषसिद्धि घोषित किये जाने से अभियुक्त संख्या 1 श्री कमल नयन आगाल पुत्र रतनलाल (विक्रेता/मालिक) मैसर्स आर.एस. ट्रेडिंग कम्पनी, आईसीआईसीआई बैंक के सामने, न्यू क्लॉथ मार्केट, चित्तौड़गढ़ निवासी उपरलापाड़ा, भड़तिया हवेली के पास, चित्तौड़गढ़ को रूपये 15,000/- अक्षरे दस हजार रूपये मात्र एवं विपक्षी संख्या 5 (निर्माता फर्म) Esspal Infrastructure & Development Pvt. Ltd. (Sharda Buziness Center) Near 200 Fit Ring Road, Pansal, Bhilwara-311001 (Raj) को रूपये 50,000/- अक्षरे पचास हजार रूपये अर्थात् कुल रूपये 65,000/- अक्षरे पैंसठ हजार रूपये मात्र के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है।

अभियुक्त उपरोक्त अर्थदण्ड एक माह की अवधि में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के मार्फत राजकोष में जमा करावें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को निर्देश दिये जाते हैं कि नियत समयावधि में शास्ति राशि जमा नही कराने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 96 के तहत शास्ति राशि भू-राजस्व के बकाया की तरह वसूल करने की कार्यवाही करावे। निर्णय की प्रति मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को पालनार्थ भिजवाई जावें। पत्रावली की गणना निर्णित इन्द्राज की जाकर बाद आवश्यक कार्यवाही के अभिलेखागार भिजवाई जावे।

यह निर्णय खुले न्यायालय में आज दिनांक 03.03.2021 को लिखाया जाकर सुनाया गया।



(रतन कुमार)
न्याय निर्णयन अधिकारी
एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,
जिला चित्तौड़गढ़